IJAER/ March-April 2023/Volume-12/Issue-2 ISSN: 2278-9677
International Journal of Arts & Education Research

मेरठ जिले के माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की व्यावसायिक अभिवृत्ति का अध्ययन

अर्चना अटवाल[*] डा०शैल ढाका[2]**
शोधार्थी [1*] शोध निर्देशिका[2**]
स्कूल ऑफ एजूकेशन [1,2], शोभित इन्स्टीट्यूट ऑफ इन्जीनियरिंग एण्ड टैक्नोलॉजी
(डीम्ड—टू—बी यूनिवर्सिटी) एन.एच. 58, मोदीपुरम (मेरठ), इण्डिया।

सारांश

इस शोध का मुख्य उद्देश्य मेरठ जिले के माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की व्यावसायिक अभिवृत्ति को समझना था। न्यादर्श मेरठ जिले के कुल 08 स्कूलों से एकत्रित किया गया। इन 08 स्कूलों में से 04 सरकारी और 04 निजी स्कूलों का चयन किया गया। प्रत्येक विद्यालय से 10 शिक्षकों का चयन किया गया। इस प्रकार चुने गए शिक्षकों की कुल संख्या 80 हो गई।यादृच्छिक नमूना तकनीक का उपयोग डेटा का उपयोग किया गया। सरकारी व निजी माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों के मध्य व्यावसायिक अभिवृत्ति में अन्तर पाया गया है।

कुंजी शब्द—व्यावसायिक प्रतिबद्धता, सरकारी व निजी माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षक।

प्रस्तावना

भारत में शिक्षा की गुणवत्ता की तुलना में मात्रात्मक विस्तार पर अधिक ध्यान दिया गया है। किसी देश की शिक्षा प्रणाली का देश की प्रगति पर बडा प्रभाव पडता है। शिक्षक एक शैक्षिक प्रणाली की समग्र सफलता के अभिन्न अंग हैं क्योंकि वे जिस संस्थान में पढाते हैं उसमें सफलता की गारंटी देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। माध्यमिक विद्यालय के चरण का एक छात्र के करियर पर महत्वपूर्ण प्रभाव पडता है क्योंकि यह उनके काम के लिए आधार तैयार करता है और साथ ही उनकी शिक्षा को दिशा भी देता है। जब शिक्षा की बात आती है, तो माध्यमिक स्तर के शिक्षक महत्वपूर्ण प्रभाव डालते हैं। माध्यमिक स्तर के बच्चे किशोरावस्था के तनाव को सहन करते हैं क्योंकि वे **'तनाव और तनाव, तूफान और उथल—पुथल' 'पहचान बनाम भूमिका भ्रम'** और **'व्यक्तिगत बनाम पारस्परिक संघर्ष'** (स्टेनली हॉल, 1904) और **'पहचान बनाम भूमिका भ्रम'** । छात्रों की सीखने की प्रक्रिया उनके शिक्षक के कार्य व्यवहार से काफी प्रभावित होती है। शिक्षकों ने पाया है कि यह उनकी प्रभावकारिता से संबंधित है। शिक्षक जलते हुए तेल से भरे दीपक की तरह होते हैं, जिसकी लौ विद्यार्थियों के दिलो—दिमाग को रोशन करने का काम करती है।

संबंधित साहित्य की समीक्षा

संबंधित साहित्य की समीक्षा अनुसंधान का एक अनिवार्य हिस्सा है, इसका तात्पर्य अतीत के संचित ज्ञान का सर्वेक्षण करना है और जांचकर्ता को बर्बादी और दोहराव से बचने में मदद करता है। यह अध्ययन लिंग भेद पर पहले किए गए काम के आलोक में किया गया है।

जूलिडीह और यशोधरा (2008) ने सरकारी और निजी हाई स्कूल की संगठनात्मक अभिवृत्ति में अंतर का खुलासा किया। सरकारी और निजी हाई स्कूल शिक्षकों के बीच मानक अभिवृत्ति में भी महत्वपूर्ण अंतर पाया गया।

मिश्रा, अंसारी और खान (2009) ने पाया कि सार्वजनिक और निजी स्कूल के शिक्षकों में संगठनात्मक अभिवृत्ति में काफी अंतर था। इसके अलावा यह भी पाया गया कि निजी स्कूल के शिक्षकों ने सार्वजनिक स्कूल के शिक्षकों की तुलना में अधिक संगठनात्मक अभिवृत्ति दिखाई।

नाइक और सिंह (2013) ने पाया कि सरकारी और निजी उच्च माध्यमिक विद्यालय के बीच शिक्षकों की अभिवृत्ति में महत्वपूर्ण अंतर है। इसके अलावा, सरकारी और निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के बीच मनोवैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय, व्यावसायिक और शिक्षकों की अभिवृत्ति के विभिन्न आयामों के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

मधु और इंदु (2015) ने सरकारी सहायता प्राप्त और स्व–वित्तपोषित बी.एड कॉलेज में काम करने वाले शिक्षकों के बीच पेशेवर अभिवृत्ति में महत्वपूर्ण अंतर का खुलासा किया। स्व–वित्तपोषित संस्थानों से जुडे शिक्षक सरकारी शिक्षकों की तुलना में अपने काम के प्रति अधिक प्रतिबद्ध पाए गए।

खान (2015) ने सार्वजनिक और निजी स्कूल के शिक्षकों की संगठनात्मक अभिवृत्ति के बीच महत्वपूर्ण अंतर का खुलासा किया। सार्वजनिक स्कूल के शिक्षकों की तुलना में निजी स्कूल के शिक्षकों में अधिक प्रतिबद्धता देखी गई।

गुप्ता और नैन (2019) ने सरकार/सरकारी स्कूलों में काम करने वाले शिक्षक–शिक्षकों की व्यावसायिक अभिवृत्ति में महत्वपूर्ण अंतर पाया। सहायता प्राप्त एवं स्ववित्तपोषित बी.एड. कॉलेज और उसके परिणाम स्व–वित्तपोषित कॉलेजों के पक्ष में थे।

रानी (2020) ने खुलासा किया कि बी.एड. के शिक्षक प्रशिक्षकों की कॉलेजों में उच्च स्तर व्यावसायिक अभिवृत्ति थी और संस्थान के प्रकार के संबंध में शिक्षक प्रशिक्षकों की व्यावसायिक अभिवृत्ति में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं पाया गया।

डार और लोन (2022) ने खुलासा किया कि सरकारी और निजी माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के बीच समाज के प्रति प्रतिबद्धता और पेशेवर अभिवृत्ति के आयामों के प्रति अभिवृत्ति पर महत्वपूर्ण अंतर था। यह पाया गया कि सरकारी माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक निजी माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की तुलना में समाज के प्रति और पेशे के प्रति अधिक प्रतिबद्ध थे। आगे यह भी पता चला कि व्यावसायिक अभिवृत्ति के समग्र स्कोर पर सरकारी और निजी माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं था।

माम्बरा, हमीद और मेलो (2024) ने पाया कि सरकारी शिक्षकों के साथ–साथ निजी शिक्षक भी अन्य संबंधित स्रोत पुस्तकों की तरह पाठ्यक्रम पढने की ओर झुके हुए हैं। यह देखा गया है कि सरकारी और निजी दोनों शिक्षक छात्रों का प्रबंधन करते समय आदर्श और नैतिक कार्यप्रणाली दिखाते हैं। उन्हें सीखने के उपाय

दिखाने में नई प्रक्रियाओं का उपयोग करने और अन्वेषण के देर से सुधार के साथ आगे बढने के लिए जिम्मेदार ठहराया गया था, अध्ययन के नतीजे ने संकेत दिया कि अध्ययन के परिणाम से संकेत मिलता है कि स्कूली शिक्षकों को उनकी संगठनात्मक अभिवृत्ति में महत्वपूर्ण रूप से भिन्न नहीं पाया गया और स्कूली शिक्षकों की संगठनात्मक अभिवृत्ति में उल्लेखनीय अंतर नहीं पाया गया।

शोध समस्या कथन

मेरठ जिले के माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की

व्यावसायिक अभिवृत्ति का अध्ययन

शब्दों और चर की परिचालनात्मक परिभाषाएँ—

व्यावसायिक अभिवृत्ति —व्यावसायिक अभिवृत्ति का अर्थ है पाँच क्षेत्रों के प्रति शिक्षक की अभिवृत्ति— शिक्षार्थी के प्रति, समाज के प्रति, पेशे के प्रति, उत्कृष्टता प्राप्त करना, बुनियादी मूल्यों के प्रति अभिवृत्ति।

माध्यमिक विद्यालय शिक्षक— वर्तमान जांच में माध्यमिक विद्यालय शिक्षक उन शिक्षकों को संदर्भित करते हैं जो सरकारी या निजी ट्रस्ट/संगठनों द्वारा संचालित उच्च माध्यमिक विद्यालयों में 2 स्तरों पर काम कर रहे हैं।

प्रस्तुत शोध अध्ययन के उद्देश्य

वर्तमान जांच के लिए निम्नलिखित उद्देश्य तैयार किए गए हैं—

- सरकारी और निजी माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों में कार्यरत शिक्षकों की व्यावसायिक अभिवृत्ति के विभिन्न आयामों का अध्ययन करना।

प्रस्तुत शोध अध्ययन की परिकल्पनाएँ

उपर्युक्त उद्देश्यों के आधार पर, निम्नलिखित परिकल्पनाएँ तैयार की गईं—

- सरकारी और निजी माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों में कार्यरत शिक्षकों की व्यावसायिक अभिवृत्ति के विभिन्न आयामों के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

अध्ययन का परिसीमन

समय, बजट, कार्यक्रम और सीमित संसाधनों की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए, वर्तमान अध्ययन को निम्न तक सीमित किया गया है—

- सरकारी और निजी माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक।
- मेरठ जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित माध्यमिक विद्यालयों को ही लिया गया है।

शोध विधि एवं पद्धति—

अनुसंधान के साक्ष्यों, उद्देश्यों और परिकल्पनाओं को ध्यान में रखते हुए शोधकर्ता ने वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि को अपनाना उपयुक्त समझा, जिसके माध्यम से डेटा एकत्र किया गया।

अनुसंधान अभिकल्प

प्रस्तुत अध्ययन में वर्णनात्मक सर्वेक्षण पद्धति का प्रयोग किया गया।

उपयोग किए गए उपकरण

अन्वेषक ने कई उपलब्ध उपकरणों की जांच करने के बाद, आवश्यक जानकारी एकत्र करने के लिए निम्नलिखित शोध उपकरण का चयन किया। स्वनिर्मित व्यावसायिक अभिवृत्ति स्केल का प्रयोग किया गया।

सांख्यिकीय तकनीक एवं विधियाँ

सांख्यिकीय तकनीक से एकत्रित जानकारी को मध्यमान, मानक विचलन एवं (टी—टेस्ट) की गणना करके उपयुक्त सांख्यिकीय विश्लेषण के लिए रखा गया था। सरकारी और निजी स्कूल के शिक्षकों के बीच व्यावसायिक अभिवृत्ति और उसके आयामों के विवरण को समझने के लिए डेटा का विश्लेषण, को मध्यमान, मानक विचलन एवं टी—टेस्ट का अंतर की मानक त्रुटि और अंततः **'टी—अनुपात'** के माध्यम से अंतर के महत्व की गणना बडे न्यादर्श के लिए बनाए गए सूत्र से की गई है। अनुपातों की गणना के लिए बडे और सामान्य नमूने के सूत्र का उपयोग किया गया है।

तालिका 1-1

व्यावसायिक अभिवृत्ति के विभिन्न आयामों पर सरकारी और निजी माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों के बीच मध्यमान, मानक विचलन और टी—मूल्य

व्यावसायिक अभिवृत्ति के आयाम	सरकारी स्कूल में काम करने वाले शिक्षक (N-40)		निजी स्कूल में काम करने वाले शिक्षक (N-40)		टी—मूल्य
	मध्यमान	मानक विचलन	मध्यमान	मानक विचलन	
शिक्षार्थी से सम्बन्धित	55.28	5.24	61.37	6.59	4.575
समाज से सम्बन्धित	56.19	4.85	58.98	5.59	2.384
व्यवसाय से सम्बन्धित	54.32	4.26	56.35	6.58	3.252
उत्कृष्टता प्राप्त करना	52.23	5.75	51.56	5.19	2.180
मानवीय मूल्यों से सम्बन्धित	55.05	4.99	62.95	4.33	2.010

परिणाम और चर्चा

तालिका 1.1 से यह देखा जा सकता है कि डी.एफ. (78) के मुकाबले दो समूहों यानी सरकारी और निजी माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के बीच अंतर के महत्व का परीक्षण करने पर अनुपात (4.575) आत्मविश्वास के 0.05 स्तर पर महत्वपूर्ण पाया गया। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि व्यावसायिक प्रतिबद्धता के आधार पर सरकारी और निजी माध्यमिक विद्यालय में काम करने वाले शिक्षकों के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर मौजूद है। 'व्यावसायिक अभिवृत्ति के स्कोर पर मेरठ के सरकारी और निजी माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।' औसत स्कोर विश्लेषण से, यह देखा गया है कि माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों के बीच व्यावसायिक अभिवृत्ति के विभिन्न आयामों में सरकारी माध्यमिक स्कूल के शिक्षकों की अभिवृत्ति निजी माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की तुलना में कम है।

इसका अर्थ यह है कि, निजी माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की व्यावसायिक अभिवृत्ति सरकारी माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की तुलना में बेहतर है। इसका मतलब यह है कि निजी माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के पास उच्च व्यावसायिक अभिवृत्ति है।

इसका मतलब यह है कि निजी माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक व्यावसायिक अभिवृत्ति के सभी पांच आयामों यानी 'शिक्षार्थी, समाज का अपना पेशा उत्कृष्टता प्राप्त करना और बुनियादी मानव मूल्य' पर सरकारी माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों से बेहतर हैं। इसलिए परिकल्पना (H_1) ' व्यावसायिक अभिवृत्ति के विभिन्न आयामों पर सरकारी और निजी माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।' को सभी पांच आयामों यानी शिक्षार्थी, समाज खुद का पेशा, उत्कृष्टता प्राप्त करना और मानवीय मूल्य पर खारिज कर दिया गया है।

एक संभावित व्याख्या यह है कि निजी शिक्षकों में अपने सार्वजनिक स्कूल समकक्षों की तुलना में अधिक मजबूत प्रतिबद्धता कौशल होने की संभावना है। जो सफलता प्राप्त हुई है उसके अनेक कारण खोजे जाने चाहिए। सरकारी स्कूल के शिक्षकों की तुलना में निजी स्कूल के शिक्षकों की नौकरी की सुरक्षा कम होती है। निजी क्षेत्र में अस्थिर नौकरी सुरक्षा के कारण, प्रशिक्षक लंबी अवधि के लिए रोजगार की गारंटी के लिए अपने संस्थानों में अधिक समय और प्रयास का निवेश करते हैं। भारत में शिक्षा प्रणाली में, निजी स्कूल प्रशिक्षक निजी क्षेत्र में अनुकूल कामकाजी परिस्थितियों का उपयोग करते हैं। दूसरी ओर, सरकारी स्कूल के शिक्षकों को अनुकूल कार्य परिस्थितियों की कमी से जूझना पडता है। शिक्षकों को उनके कार्य–जीवन की खराब गुणवत्ता के कारण बोरियत, सुस्ती, तनाव और स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पडा। इन चीजों के कारण शिक्षकों का अपने स्कूलों के प्रति समर्पण कम हो रहा है। इसलिए, शोध से पता चलता है कि सरकारी क्षेत्र के स्कूलों में कार्य जीवन की गुणवत्ता बढाने के लिए जबरदस्त अवसर हैं। निजी स्कूल के शिक्षकों के लिए बेहतर शिक्षकों को आकर्षित करने और बनाए रखने के लिए।

वैश्वीकरण, निजीकरण और उदारीकरण के वर्तमान युग में शिक्षकों को समाज की बढती और चुनौतीपूर्ण परिवर्तनों, अनिश्चितताओं और अपेक्षाओं को पूरा करने की आवश्यकता है। इसलिए शिक्षक से अपने पेशे, शिक्षार्थी और समाज के प्रति प्रतिबद्ध होने की अपेक्षा की जाती है। यदि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लक्ष्य है, तो इसे

समर्पित और प्रतिबद्ध शिक्षकों के ईमानदार प्रयासों के बिना हासिल नहीं किया जा सकता है। निजी स्कूलों में अनुशासन और सम्मान के उच्च मानक बनाए रखने की प्रतिष्ठा है। कम कर्मचारी—से—छात्र अनुपात स्कूल के मैदानों के अधिक प्रभावी अवलोकन और नियंत्रण की अनुमति देता है। निजी स्कूलों में पाई जाने वाली समुदाय की मजबूत भावना भी खतरनाक व्यवहार को हतोत्साहित करती है।

संदर्भ ग्रन्थ

- अग्रवाल, ए., अग्रवाल, एस.के. (2012) 'माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता, निराशा, सहनशीलता और शिक्षण दृष्टिकोण के संबंध में भूमिका संघर्ष का अध्ययन' एपेक्स इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज एंड रिसर्च, परतापुर बाईपास, मेरठ, यू.पी.
- बसु, एस. (2016)। माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के बीच व्यावसायिक प्रतिबद्धता और नौकरी से संतुष्टि', जर्नल ऑफ एजुकेशनएंड एप्लाइड सोशल साइंसेज, 7(3) 255—259
- एकता, ए., प्रभा, वी. (2017) 'पेशेवर प्रतिबद्धता पर लिंग और संस्थान के प्रकार का प्रभाव', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी एजुकेशन एंड रिसर्च, 2 (2), 16—18
- गुप्ता, पी., जैन, एस. (2013) 'शिक्षक प्रशिक्षकों के बीच व्यावसायिक प्रतिबद्धता', इंडियन जर्नल ऑफ साइकोमेट्री एंड एजुकेशन, 44(1), 83—87
- मधु, जी., इंदु, एन. (2016) 'व्यावसायिक प्रतिबद्धता, भूमिका संघर्ष और जीवन संतुष्टि शिक्षक प्रशिक्षकों का लिंग आधारित अध्ययन', इंटरनेशनल इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च जर्नल, 4(3),25—34
- नाइक, पी.के., सिंह, एस. (2013) 'सरकारी और निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की शिक्षक अभिवृत्ति: एक अध्ययन', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन, 5(2), 125—131
- शुक्ला, एस. (2014) 'प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की शिक्षण योग्यता, व्यावसायिक प्रतिबद्धता और नौकरी की संतुष्टि', जर्नल ऑफ रिसर्च मेथड इन एजुकेशन 4(3), 44—64
- तिवारी, ए.के. (2019) 'सरकारी और निजी स्कूल के शिक्षकों के बीच संगठनात्मक प्रतिबद्धता पर एक तुलनात्मक अध्ययन', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैनेजमेंट, टेक्नोलॉजी एंड इंजीनियरिंग, IX, (II), 2109—2121
- वारिस, ए., कुमार, ए. (2016) 'माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की उनके लिंग और क्षेत्र के संबंध में व्यावसायिक प्रतिबद्धता: एक तुलनात्मक अध्ययन', जर्नल फॉर रिसर्च एनालिसिस, 5(7), 264—265